वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 180 | शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शेक्सपियर की रचनाओं और मोनोलॉग के महत्व पर हुई बात

कानोडिया कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत, देशभर से आए विशेषज्ञ

जयपुर. कासं

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के अंग्रेजी विभाग और शेक्सपियर एसोसिएशन (भारत) के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ''शेक्सपियर सलिलक्वी, मोनोलॉग, मौन विचार और भाषण'' की गुरुवार से शुरूआत हुई। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि प्रो. अभई मौर्य, पूर्व उप-कुलपति, ईएफएलयू, हैदराबाद एवं मुख्य वक्ता प्रो. भीम. एस. दहिया, अध्यक्ष, भारतीय शेक्सपियर एसोसिएशन (भारत) उपस्थित रहे। महाविद्यालय निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी की ओर से उद्घाटन और प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल की ओर से स्वागत भाषण दिया गया। प्रो. अभई मौर्य ने अपने भाषण में शेक्सपियर की रचनाओं और मोनोलॉग के महत्व पर बात की। उन्होंने शेक्सपियर के काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की चर्चा की और शेक्सपियर के भाषणों के गहरे अर्थ और मोनोलॉग के आदर्श को बढ़ावा देने का आग्रह किया। प्रो. भीम. एस. दहिया ने सम्मेलन के महत्व को बताया। शेक्सपियर के कृतियों के अध्ययन में भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका का सुझाव दिया। सम्मेलन के पहले दिन दो पूर्ण सत्र एवं एक समानान्तर सत्र का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शेक्सपियर की रचनाओं में व्यक्त भाषण, मोनोलॉग और भाषणों पर विचारमूलक चर्चा का माध्यम रहा। यहां शेक्सपियर की कृतियों के महत्वपूर्ण हिस्सों को उजागर करने, उनके भाषणों के अर्थ और भाषा के सौंदर्य को समझने का मौका मिला। सम्मेलन ने शेक्सपियर के श्रेष्ठ रचनाओं के बारे में गहरी समझ और विचारमूलक चर्चा का माध्यम प्रदान किया। सम्मेलन में अप्रकाशित एवं प्रामाणिक कार्य सभी विषयों और उप-विषयों के संबंध में पत्र-वाचन किए गए। अंत में डॉ. प्रीति शर्मा की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

फ्रेशर पार्टी में स्टूडेंट्स ने दी डांस परफॉर्मेंस

लंदन फैशन वीक और लैक्मे लॉन्चपैड विजेता स्टूडेंट्स को किया गया सम्मानित

जयपुर. कासं। एनआईएफडी की ओर से नए डिजाइन छात्रों के प्रवेश के साथ फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान लंदन फैशन वीक और लैक्मे लॉन्चपैड विजेता स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (आईएनआईएफडी) ने लंदन फैशन वीक 2023 में अपने डिजाइनों को हालही में प्रदर्शित किया था। ऐसे में इन स्टूडेंट्स और लैक्मे फैशन वीक सीजन 9 में जीत हासिल करने वाले छात्रों को संस्थान की ओर से अवॉर्ड प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम डिग्गी पैलेस में आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम ग्लिट्ज और ग्लैम थीम पर आयोजित हुआ। इस दौरान एक फैशन शो का भी आयोजन हुआ, जिसमें फ्रेशर और सीनियर स्टूडेंट्स ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस दौरान मिस्टर और मिस फ्रेशर का भी चयन किया गया। इसके अलावा मिस एंड मिस्टर फोटोजनिक, मिस एंड मिस्टर बेस्ट पर्सनैलिटी का भी चयन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रेक्षा जैन और सौम्या गोयल की ओर से फैशन डिजाइनों को भी प्रदर्शित किया गया, जिन्होंने पहले लंदन फैशन वीक 2023 के दौरान फैशन स्काउट में अपनी डिजाइन प्रदर्शित की थी। इस दौरान कमला पोद्दार ग्रुप की चेयरपर्सन कमला पोद्दार, कमला पोद्दार ग्रुप के निदेशक अभिषेक पोद्दार और रोमा पोद्दार ने स्टूडेंट्स के टैलेंट की सराहना की।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में जुटे कम्प्यूटिंग और इनोवेशन के दिग्गज

प्रतिभागियों ने ज्ञानवर्धक पेपर और पोस्टर का दिया प्रजेंटेशन, डेमोंस्ट्रेशन के जरिए दिखाए बदलाव

जयपुर. कासं

मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने 'स्मार्ट सिस्टमः इनोवेशन इन कंप्यूटिंग (एसएसआईसी-2023)' विषय पर एक बार फिर चतुर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की सफल मेजबानी करके एकेडमिक एक्सीलेंस और इनोवेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। यह कॉन्फ्रेंस मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में

आयोजित की जा रही है, जिसका आज स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी-इसरो) के सीएसआईजी/सीआईटीए के ग्रुप डायरेक्टर दर्शन के. पटेल और गेस्ट ऑफ ऑनर एफ. इसरो के साइंटिस्टजय गोपाल सिंगला की ओर से उद्घाटन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस के तहत कंप्यूटिंग और इनोवेशन के कई प्रमुख दिग्गज एक मंच पर जुटे। **'स्मार्ट सिस्टमः इनोवेशन इन कंप्यूटिंग (एसएसआईसी-2023)'** विषय पर आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस में कंप्यूटिंग क्षेत्र के तेजी से हो रहे विकास और आधुनिक समाज पर इसके अहम प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। इसमें दुनिया भर के प्रतिष्ठित रिसर्चर्स, विशेषज्ञों, इंडस्ट्री के प्रोफेशनल्स और कई दूरदर्शी व्यक्तियों की मौजूदगी रही। इन सभी ने इस कॉन्फ्रेंस के मंच पर अभूतपूर्व विचारों पर चर्चा की, उनकी पड़ताल की और इन्हें आपस में साझा किया।

तीन दिवसीय स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया

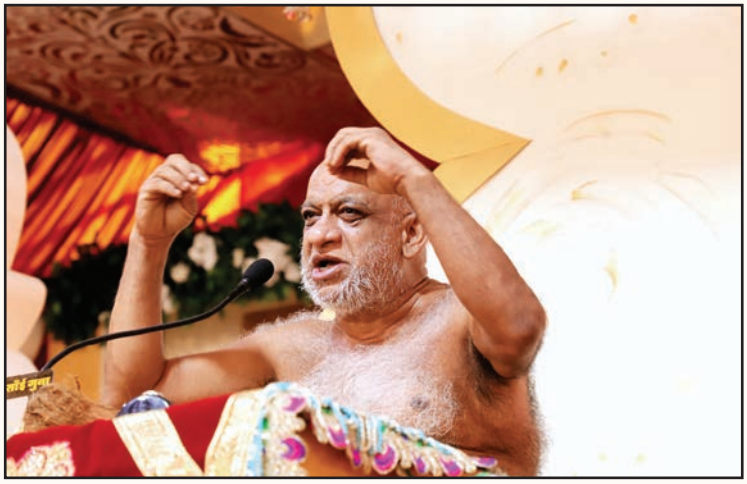

26 अक्टूबर से आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। जिसके अन्तर्गत मुनिपुंगवश्री ने युवा विद्वानों के ज्ञान को और प्रकाशित किया। अधिवेशन का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया साथ ही बाहर से पधारे गुरु भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। तत्पश्चात सौभाग्यशाली भक्तों ने मुनि श्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद मुनिश्री सुधासागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि प्रथम सत्र-स्नातक परिषद संगोष्ठी में जिनेंद्र भगवान ने कहा है इसलिए सही नही है। जो सही है वह भगवान ने कहा है इसलिए मैं भगवान को मानता हूँ क्योंकि वो सही कहते है। जीव की एक विशेषता होती है वो खुद जानना चाहता है क्योंकि जीव का स्वभाव जानना है। हमारे आचार्यों ने कहा कि जैसा भगवान ने कहा वैसा मान लो, मान लेता हूँ लेकिन अंदर से आता है थोड़ा जान भी लेना चाहिए, जैन दर्शन और दुनिया के दर्शनों में यही अंतर है। दुनिया के दर्शन में मात्र और मात्र मानना है, कुछ तुम्हें जानना नहीं है, जानना भगवान के खिलाफ खड़े होना है, जानने की बात सोचना भगवान पर संदेह करना है। अन्य दर्शन कहते है कि अपने अस्तित्व को खोकर के सम्पूर्ण रूप से उस महासत्ता के आधीन हो जाना उसमे मिल जाना नही, मिल जाना अलग चीज है। यही हटकर के जैन दर्शन कहता है भगवान को स्वीकार करने का यह अर्थ नही है भगवान के आधीन हो जाये बल्कि भगवान की सत्ता को स्वीकार करने का अर्थ है कि हम स्वाधीन हो जाये। अच्छे मार्ग पर चलने वाले कमजोर क्यों होते है इसलिए जैनाचार्यो ने कहा कि तुम कमजोर रहो या बलजोर रहो, हम तुम्हे अपने आधीन नही करेगे कि तुम हमारे अनुसार चलो। पहला दर्शन है जैन दर्शन जिसमें भगवान ने कहा यदि तुम मुझे मानते हो और यदि तुम्हें कुछ भी जानने की इच्छा नहीं है तो तुम जैनी नहीं हो सकते। जैन दर्शन की विशेषता है तुम मानो भी लेकिन अपनी शक्ति के प्रमाण जानो भी। जिनेंद्र भगवान ने कहा है इसलिए सही नही है, जो सही है वह भगवान ने कहा है इसलिए मैं भगवान को मानता हूँ क्योंकि वो सही कहते है। जैनदर्शन में भगवानों को लेकर ग्रंथो की संख्या बहुत कम है जिसे हम प्रथमानुयोग कहते है लेकिन तीन अनुयोगों में क्या है सृष्टि का स्वरूप तुम जानो। भगवान आपने तो जान लिया,नही,मेरे जानने से नही होगा तुम जानो। तीनो अनुयोगों का विषय हमारे ज्ञान गम्य नही है। प्रथमानुयोग का विषय हमारे ज्ञान का विषय है। हमे पता नही रत्नत्रय लेश्याये,आत्मा क्या होती है, ये हमारे ज्ञान का विषय नही, हमे देखने मे ही नही आ रहा। तिरेसठ सलाका पुरुष तो देखने मे आ रहे है। जो हमारे ज्ञान का विषय नही है तो उसे हम क्यों जाने। सीधे कह दो कि भगवान ये सब विषय आपके है, आप प्रत्यक्ष देख रहे है,जान रहे है, हम आपको स्वीकार करते है, आपको मानते है। महावीर स्वामी कहते है नही, जो वस्तु तुम्हारे ज्ञान के प्रत्यक्ष नही है, उसे अनुमान से जानो, लक्षण से जनों, शब्द से जानो, नय से जानो, मत से जानो। तुम्हारे ज्ञान का विषय नही है तो भी जानो, पढ़ो। क्यों पढ़ूँ, समय खराब करूँ बोले नही तुम्हें पढ़ना है। भगवान ने कहा सो सत्य नही। तुम्हे ये घोषणा करना है कि मैं दावा करता हूँ जो सत्य है वही भगवान ने कहा है। भगवान को अपनी आस्था में रखो, श्रद्धा में रखो, अपने मन के संदेह मिटाने के लिए रखो, स्वयं को जब तत्व में संदेह हो जाए तो कहना-नही, भगवान ने कहा है लेकिन जब सामने वाला आवे तो ये तत्व नही रखना कि भगवान ने कहा है, तुम ये रखना यही सत्य है। पंचास्तिकाय ग्रन्थ को पूज्यवर ने इसलिए लिखा कि तुम खुद स्वाध्याय करो तुम समझो सृष्टि को, भगवान ने कह दिया है तो चुपचाप मत बैठो तुम खुद समझो ज्ञान में। जो ज्ञानी होकर पढ़ सकता है,समझ सकता है, तर्क वितर्क जान सकता है और वो स्वाध्याय नही करता है ये सबसे बड़ा निन्हव है। अधिवेशन का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का समापन 28 अक्टूबर को होगा। तीन दिवसीय अधिवेशन से पूरे भारतवर्ष को पता चलेगा कि ज्ञान के मंथन के लिए होता है स्नातक सम्मेलन। इस धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या, मनोज जैन बाकलीवाल, नीरज जैन जिनवाणी, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन,राजेश सेठी, अमित जैन बॉबी, राजेश जैन गया वाले, विवेक बैनाड़ा,शैलेंद्र जैन,अनिल जैन,नरेश जैन, दिलीप जैन, अंकेश जैन मीडिया प्रभारी, शुभम जैन, राहुल जैन समस्त आगरा सकल दिगंबर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

धरती पर कोई भी जीव अमर नहीं है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई। सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य है गुरूवार को जैन भवन साहुकारपेट में महासती धर्मप्रभा ने आयंबिल ओली तप की तपस्या करने वालें साधको और श्रध्दालुओं को श्रीपाल चारित्र का वांचना हुए कहा कि धरती पर कोई भी जीव अमर नहीं है। शरीर का अस्तित्व आत्मा के बिना नहीं है और आत्मा का अस्तित्व होते हुए भी उसे अनुभव नहीं किया जा सकता है। इस सत्य को मनुष्य जितना जल्दी स्वीकार लें और मानकर जीवन जीने लग जाए तो वह संसार के दुखों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने भगवान महावीर स्वामी की अंतिम दिव्य देशना श्रीउत्ताराध्यय श्रुतदेव के नवे अध्याय अज्यझयणं नमिपव्वाज्जा का वर्णन करतें हुए कहा कि आत्मा भगवान के समान है और शरीर दुःख के समान है इस संसार मे मनुष्य स्वार्थ को रोता है जीवन को खो देता है। आत्मा पर विजय प्राप्त करने वाला मनुष्य ही अपने जीवन को सार्थक बनाकर श अपनी आत्मा को संसार मे जन्म लेने से छुटकारा दिलवा सकता है। साहुकारपेट श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया कि नवपद ओलीजी तप पर अनेक भाईयो और बहनों ने आयंबिल तप के प्रत्याख्यान लिए। जिनका श्री एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, हस्तीमल खटोड़, सुरेश डूगरवाल, शम्भूसिंह कावड़िया और मंत्री सज्जनराज सुराणा ने स्वागत किया और आयंबिल तप की अनूमोदना की गई।

अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

शुक्रवार को विश्वशांति महायज्ञ के साथ होगा समापन, गुरुवार को श्रद्धालुओं ने चढ़ाए 1024 अष्ट द्रव्य के अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजा का शुक्रवार को विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन होगा। इससे पूर्व विधान में आज 1024 अर्घ्य चढ़ाये गये। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि गुरुवार को जिनेंद्र भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक के बाद शांतिधारा की गई। नित्य नियम पूजन आचार्य श्री देशभूषण महाराज के पूजार्घ से शुरू हुआ तत्पश्चात विधान पूजन आरंभ किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने भजन, भक्ति के साथ जिनेन्द्र प्रभु की आराधना करते हुए 1024 अष्ट द्रव्य के अर्घ्य मण्डल पूजन में चढ़ा प्रभु से विश्व में शांति की मंगल भावना की। सायंकाल संगीतमय महाआरती की गई। इस मौके पर चूलगिरी संरक्षक प्रवीण चंद्र छाबड़ा भी उपस्थित थे। आयोजन का पुण्यार्जन नोएडा के वैजयंती जैन, अशोक जैन और पदमा जैन व फूल चंद जैन द्वारा किया गया। शुक्रवार को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विश्व शांति महायज्ञ होगा जिसमें मंत्रोच्चार के साथ पूणार्हुति दी जाएगी। इसी के साथ महाआयोजन का समापन हो जाएगा।

कुण्डलपुर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

रत्नेश जैन /राजेश रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

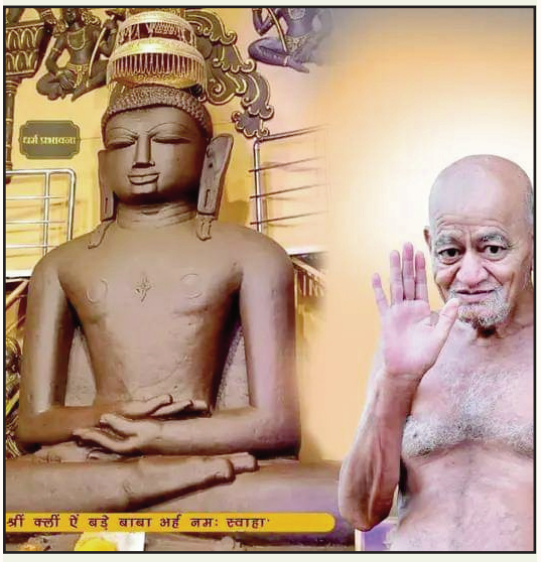

कुण्डलपुर। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का 78 वां अवतरण दिवस 28 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर भक्तांमर महामंडल विधान, पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, विधान होगा। पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की पूजन होगी। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण किया जाएगा। सायंकाल भक्तांमर दीप आराधना एवं पूज्य बड़े बाबा की महाआरती, 78 दीपों से पूज्य आचार्य श्री की महाआरती होगी। कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी ने भक्त श्रद्धालुओं से कुंडलपुर पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

वेद ज्ञान

निज स्वरूप आत्मा

सर्वप्रथम हम परमेश्वर से उत्पन्न होकर पूर्ण विशुद्ध थे। जैसे-जैसे ब्रह्मांड की रचना होती गई, आत्मा पर आवरण चढ़ता गया। सभी आत्माएं माया जाल में लिपटती गईं। जब जगत का विस्तार होता है तब जीवों की संख्या बढ़ती है। और जब जनसंख्या बढ़ती है तब जटिलताएं बढ़ने लग जाती हैं और फिर जटिलताओं में जीने के लिए नियमों का गठन होता है। सभी के जीने लायक नियम प्रतिपादित किए जाते हैं। हम सभी सत्य से दूर होकर आडंबर और कृत्रिमता में बंध जाते हैं। कृत्रिमता में बंधने के कारण दुख का प्रादुर्भाव होने लगता है। फिर उस दुख में सुख की खोज होने लगती है। सर्वप्रथम जीव इसलिए सुखी था, क्योंकि वह पवित्र और विशुद्ध था। अब वह स्वयं को भूल गया है, परंतु कहीं गइराई में वही प्राचीन विस्मृत हुई सुख की अनुभूति विद्यमान रहने के कारण वह स्वयं को सुखी करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है। मार्ग न मिलने के कारण मानव वहां सुख की खोज करता है, जहां सुख है ही नहीं। मनुष्य चावल के भूसे से दाना निकालने की तरह सुख ढूंढ़ने का प्रयास करता है। जैसे भूसे में दाना नहीं होता, उसे बेकार में कूटकर कूछ न मिलने से मनुष्य दुखी होता है। वैसे ही जीव सुख तलाशने का प्रयास करता है, परंतु भूसे में दाना न मिलने की भांति यहां तो सुख है ही नहीं। मानव सुख की लालसा पाल कर और अधिक दुख मोल ले लेता है। इस प्रकार जगत की माया में उलझा हुआ जीव सुबह सूर्योदय से लेकर रात्रि सोने के समय तक अपने कार्यों में रत होकर एक दिन का चक्र पूरा करता है। फिर सप्ताह, माह व वर्षवार के चक्र को पूरा करता हुआ जीवन के जाल में फंसा ही रहता है। वह इससे उबर नहीं पाता। इस चक्रव्यूह में फंसकर वह अपने जीवन का अंत कर लेता है। संत कबीर की वाणी से हम इसको समझ सकते हैं। वे समझाते हुए कहते हैं, ह्यमाया मरी न मन मरा, मर मर गए सरीर, आशा तृष्णा न गई यों कहें दास कबीर ह्ल इसी सुख-दुख के चक्र में उलझा हुआ मनुष्य अपने निज आनंद स्वरूप को भुला बैठा है। वह भौतिक शरीर को ही अपना सच्चा स्वरूप मानकर प्राण शक्ति को सांसारिक कार्यों में लगाकर जीवन शक्ति को खर्च कर डालता है। वह नहीं जान पाता कि वह इससे परे नित्य चैतन्य स्वरूप है जो शाश्वत सुख प्राप्त कर लेने का मूल स्त्रोत है।

संपादकीय

खुदकुशी रोकने के उपायों पर कब टूटेगी चुप्पी

आत्महत्या जैसे विषय पर बात करना आसान नहीं। इस खामोशी को बनाने में दुख, दर्द और सामाजिक कलंक ने खूब मदद की है। इससे इस समस्या से पार पाने की दिशा में काम करना कठिन हो जाता है। चूंकि इस चुप्पी से आंखें मूंदना सभी के लिए आसान होता है, इसलिए यह अपने देश में चिंताजनक रूप से बढ़ भी रही है। मगर मेरा मानना है कि भारत में आत्महत्या की रोकथाम को प्राथमिकता देने का वक्त आ गया है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक तमाम लोगों की सुगम पहुंच हो। इन दोनों के बीच तालमेल न सिर्फ आवश्यक है, बल्कि हमारी नैतिक अनिवार्यता भी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में देश में 1.6 लाख लोगों ने खुदकुशी की। यह संख्या पिछले दशक में तेजी से बढ़ी है, जबकि आत्महत्या की हर घटना में करीब 60 लोग किसी अपने के जाने से प्रभावित होते हैं, और लगभग 20 ऐसे होते हैं, जो बाद में खुदकुशी का प्रयास करते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि ऐसे मामलों के दर्ज न हो पाने और सामाजिक कलंक के कारण इन आंकड़ों से समस्या की गहराई का वास्तविक आकलन नहीं हो पाता। ऐसे में, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो निवेश करते हैं, उनका ध्यान भी खुदकुशी रोकने पर नहीं है। इसने मुझे आत्महत्या की रोकथाम और नीतिगत स्तर पर बदलाव लाने का एक वाहक बनने को प्रेरित किया। मेरा मानना है कि सबसे पहले, पहला सही कदम उठाना जरूरी है। असल में, किसी समस्या को समझना उसे हल करने की दिशा में पहला कदम है। मारीवाला हेल्थ इनीशिएटिव यानी एमएचआई के तहत हमारा प्रयास अनुसंधान और अंतर्दृष्टि-निर्माण का ही रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 2021 में सूसाइड प्रीवेंशन : चेंजिंग द नैरेटिव नामक रिपोर्ट आई, जो इस बात पर केंद्रित है कि आत्महत्या की रोकथाम का काम कैसे होना चाहिए? यहां यह याद रखना ज्यादा जरूरी है कि खुदकुशी को कमोबेश व्यक्तिगत मामला माना जाता है; उसे ऐसी परिघटना नहीं समझा जाता, जिसे रोका जा सकता है। मीडिया इसे सनसनीखेज बनाकर पेश करता है, लेकिन शायद ही कभी ऐसा सामाजिक मुद्दा बताता है, जिसका समाधान सरकार, स्वास्थ्य तंत्र, गैर-लाभकारी संस्थाओं, कार्यस्थलों, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों और समुदायों को मिल-जुलकर करना चाहिए। इस मामले में यह भी गौर करना जरूरी है कि हाशिये पर होने के कारण कुछ समुदायों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दूसरा कदम है, आत्महत्या की रोकथाम के लिए मनो-सामाजिक दृष्टिकोण अपनाना, यानी ऐसी पहल करना, जिसमें परामर्श के माध्यम से मनोवैज्ञानिक सहायता दी जाए और रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं व शिक्षा जैसे सामाजिक लाभ तक सबकी पहुंच सुनिश्चित हो। इसके लिए जाहिर तौर पर नीतिगत बदलाव जरूरी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सियासत और अफसर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के लंबे समय से निजी सचिव रहे आईएएस अधिकारी वी के पांडियन द्वारा स्वैच्छिक रिटायरमेंट लेकर सरकार का हिस्सा बनने की खबर जिस वक्त सुर्खियों में आई, लगभग उसी समय मध्य प्रदेश में डिप्टी कलक्टर निशा बांगरे का इस्तीफा मंजूर होने की सूचना भी मीडिया में साया हुई। निशा को विधानसभा चुनाव लड़ना है और अपने इस्तीफे की मंजूरी के लिए उन्होंने बाकायदा आला अदालतों का दरवाजा खटखटाया, क्योंकि राज्य सरकार उन्हें सेवा झ मुक्त करने को तैयार न थी । विडंबना यह है कि जिस विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर उनके चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें लगाई जा रही थीं, वहां से पार्टी किसी अन्य का नाम घोषित कर चुकी है। बहरहाल, पांडियन और निशा के इन फैसलों से कई सवाल खड़े होते हैं, जिन पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। आखिर प्रशासनिक अमले में सियासत के प्रति इतना अनुराग क्यों बढ़ रहा है? ये जनसेवा से प्रेरित फैसले हैं या लोभ-क्षोभ की परिणति? यदि उन्हें राजनीति में इतनी ही दिलचस्पी थी, तो प्रशासन में इतने वर्ष खर्च क्यों किए? सनद रहे, संविधान निर्माताओं ने विधायिका और कार्यपालिका से अलग-अलग अपेक्षाएं बांधी हैं। वैसे, यह कोई पहली बार नहीं है कि प्रशासनिक क्षेत्र के लोग सीधे राजनीति में कूद पडे.हैं, आजादी के वक्त से ही विभिन्न क्षेत्रों के लोग सरकार का हिस्सा बनते रहे हैं, और देश-समाज को इसका लाभ भी मिला है। मगर वे अपने-अपने क्षेत्र के माहिर लोग होते थे और उन्हें किसी बड़े राजनेता का करीबी होने मात्र का लाभ नहीं मिल जाता था। उनकी काबिलियत ने सरकारों को बाध्य किया कि वे उनसे साथ आने का आग्रह करें। फिर ऐसे उदाहरण विरले ही कायम भी होते थे। मगर पिछले कुछ दशकों में सत्ताधीशों और नौकरशाहों के गठजोड़ ने न सिर्फ राजनीति को विद्रूप किया है, बल्कि शासन-प्रशासन में भ्रष्टाचार की जड़ें इसके कारण गहरी हुई हैं। खासकर पिछले दरवाजे से सत्ता में पहुंचने की सहूलियत ने इस दुरभिसंधि को मजबूत किया है। ऐसे में, निशा ने जो रास्ता अख्तियार किया है, उसे औचित्यपूर्ण ठहराया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने जनता के बीच जाकर सत्ता-सदन में प्रवेश का मार्ग चुना। फिर भी यह सवाल पूछा ही जाएगा कि क्या वर्षों से जनसेवा में जुटे स्थानीय कार्यकताओं पर नौकरशाहों की वरीयता लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप है? निस्संदेह, हमारा संविधान तय मानदंडों के तहत अपने हरेक नागरिक को अवसर की स्वतंत्रता देता है, और इस लिहाज से अफसरों के राजनीति में आने में कुछ गलत नहीं है, मगर इन दिनों जिस तरह नौकरशाहों में कृपापात्र बनने और पुरस्कृत होने की प्रवृत्ति गहराती जा रही है, उसमें पांडियन जैसी तरक्की दीगर महत्वाकांक्षी अफसरों को सत्ताधीशों से सांठ-गांठ के लिए प्रेरित करेगी। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश की प्रशासनिक संस्थाएं किस कदर साख के संकट से जूझ रही हैं? उनके बारे में राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने की धारणा ठोस होने लगी है। यह न तो देश के हित में है और न लोकतंत्र के। ऐसे में, पांडियन और निशा जैसे उदाहरणों से नौकरशाही की विश्वसनीयता को और खरोंचें आएंगी। इसलिए, देश को सचमुच प्रशासनिक सुधार की जरूरत है, ताकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से संविधान ने जो उम्मीदें पाली हैं, उन पर वे खरी उतर सकें और हम आदर्श लोकतंत्र के रूप में दुनिया के लिए नजीर बनें।

राजस्थान अस्पताल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर रविवार 29 अक्टूबर को

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के तत्वावधान में होगा आयोजन। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा होगा आयोजन। राजस्थान अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे निशुल्क परामर्श। होगी अनेक निशुल्क जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा जे एल एन मार्ग स्थित राजस्थान अस्पताल में रविवार, 29अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक एक निशुल्क चिकित्सा एवम नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या तथा महा सचिव निर्मल- सरला संघी के अनुसार समारोह की अध्यक्षता राजस्थान अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर एस एस अग्रवाल, मुख्य अतिथि मुनीभक्त,प्रमुख समाज सेवी उत्तम जी पांड्या व दीप प्रज्ज्वलन कर्ता भारत वर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री महेश काला होंगे। **सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका** एवम अनिल - निशा संघी ने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कैलाश चंद्रा, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉक्टर पंकज सिंह, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जीतेश जैन, डायबिटीज विशेषज्ञ डॉक्टर प्रियाश्री कटेवा, केंसर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सरजीत सैनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शिल्पा जेठवानी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निकिता जैन तथा फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर गरिमा सिंह निशुल्क अपनी सेवा देंगे। **आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि शिविर में निम्न जांच निशुल्क उपलब्ध रहेगी :-** बी एम डी, शुगर, लिपिड प्रोफाइल, ई सी जी,फाईब्रो स्कैन, मेमोग्राफी, ओपथाल स्क्रीनिग, पैप स्मियर तथा कान की मशीन द्वारा जांच उपलब्ध रहेगी। सन्मति ग्रुप के कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या ने बताया कि शिविर के मुख्य समन्वयक दर्शन - विनिता बाकलीवाल, विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश - पिंकी जैन, राकेश - रेणु संघी, प्रदीप - प्राची बाकलीवाल, कमल - मंजू ठोलिया, चेतन - डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल को समन्वयक तथा साकेत जैन कुमकुम फोटोज, विमल जैन, अशोक सेठी, पंडित विनोद शास्त्री को सयोजक बनाया गया हैं।

जैन सोशल ग्रुप महानगर जेकेजे डान्डिया दिपोत्सव 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल में

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इन्टरनेशनल फैडरेशन नोर्थन रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर का 21वा डांडिया दिपोत्सव कार्यक्रम दिनांक 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल सी-स्कीम जयपुर में शाम 4.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कसेरा किडस फैशन शो, 1008 दीपकों से आरती, डान्डिया एवं बम्पर हाऊजी का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक जेकेजे ज्वैलर्स है ओर प्रायोजक एआरएल इन्फोटेक, सिटिवाईबस, कोटक महेंद्रा बैंक, सरस डेयरी, श्री राम ग्रुप, चार्ट ग्रुप हैं। साथ ही किडस फैशन शो के मुख्य प्रायोजक श्री कसेरा टैन्ट एवं ईवेंट, एवं प्रायोजक जयपुर चक्की एवं रुंडला एन्टरप्राईजेज है। महानगर ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि जेकेजे डांडिया दीपोत्सव कार्यक्रम के उदघाटनकर्ता जतिन मौसून,(जेकेजे ज्वैलर्स) मुख्य अतिथि प्रमोद पहाड़िया,(ऐआरएल इन्फोटेक) समारोह अध्यक्ष श्रीमती रेणु राणा, सम्मानीय अतिथि उमरावमल संघी,(अध्यक्ष, महावीर शिक्षा परिषद) दीप प्रज्जवलनकर्ता सुनील पहाड़िया (वर्धमान ग्रुप), डांडिया रिंग उदघाटनकर्ता अशोक अग्रवाल (श्री राम ग्रुप) सहित अन्य विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। रवि प्रकाश जैन, पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि नरेश यादव, एमडी, चार्ट ग्रुप हाऊजी पुरस्कार के प्रायोजक रहेंगे।

दीपोत्सव डांडिया के पोस्टर का विमोचन हुआ

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा आयोजित होने वाले दीपोत्सव डांडिया 2023 के पोस्टर का विमोचन महानगर के सभी पूर्व अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सभी संयोजक भी मौजूद थे। अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य संयोजक दीपेश छाबड़ा सहित ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन रवि प्रकाश जैन डॉक्टर राजीव जैन और सचिव सुनील गंगवाल उपस्थित रहे उल्लेखनीय है कि यह महानगर का 21वां दीपोत्सव डांडिया उत्सव है जिसका इंतजार पूरे जैन समाज को बेसब्री से रहता है इसकी तैयारी पूरे जोर-जोर से चल रही है।

चौधरी कुम्भाराम आर्य की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। कुदन में आज किसान मसीहा पूर्व सांसद स्वर्गीय चौधरी कुम्भाराम आर्य की 27 वी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव कुदन के चौक में स्थापित उनकी प्रतिमा के सामने श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा को पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी की गई।। इस कार्यक्रम में बहुत से ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे।

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर ने आचार्य सौरभ सागर जी से प्राप्त किया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य सौरभ सागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में भट्टारक जी की नसियां में आयोजित दस दिवसीय सिद्ध चक्र विधान मंडल के दौरान जैन बैंकर्स फोरम जयपुर की कार्यकारिणी, सदस्यों ने आचार्य श्री को फोरम के संरक्षक उमराव मल संघी, पूर्व महा प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया अरुण कुमार जैन एवं पूर्व चेयरमैन राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक ज्ञानेंद्र जैन की अगुवाई में श्रीफल भेंट किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्याध्यक्ष पदम बिलाला ने बताया की आचार्य श्री ने अपार श्रृद्धालुओं के बीच अपने आशीर्वचन में किसी को भी जीवन में मिथ्यात्व नहीं अपने पर जोर दिया। तत्त्व का श्रद्धान नहीं होना मिथ्यात्व कहलाता है। निज शुद्ध आत्मतत्व एवं अन्य शुद्ध आत्मतत्व के विपरीत अभिप्राय होने को मिथ्यात्व कहते हैं जो वस्तु अपनी नहीं है उसे अपना मान लेना मिथ्यात्व हैजिसने सच्चे देव, शास्त्र, गुरु का स्वरुप जान कर श्रद्धान कर हृदय में बैठा लिया है, वह मिथ्यात्व से परे हो जाता है जो मिथ्यात्व को समझ लेता है और तदनुरूप परिपालन करता है वह मोक्ष मार्ग की और कदम बढ़ा लेता है। इस तरह मिथ्यात्व को सामान्य तरीके से समझाया। आचार्य श्री ने जैन बैंकर्स की गतिविधियों की सराहना की। इस अवसर पर जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा ने फोरम की बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान एवं समाज की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी को संक्षिप्त रूप से साझा की। इससे पूर्व सिद्धचक्र विधान मंडल के आयोजक आचार्य सौरभमयी सिद्धचक्र प्रभावना समिति एवं श्री पुष्पवर्षा योग समिति जयपुर के मुख्य आयोजक गण राजीव जैन गाजियाबाद, आलोक तिजारिया, मनीष बैद, चेतन जैन निमोडिया, विनोद जैन कोटखावदा आदि ने फोरम का सम्मान किया। जैन बैंकर्स फोरम की ओर से राजेश जैन आईसीआईसीआई, अनिल जैन, महेंद्र बैराठी, विमल जैन, के के जैन, अजय पांड्या, राजेंद्र पापड़ीवाल, प्रदीप जैन, सुकेश काला, कमल चंद जैन सेवा, जितेंद्र जैन, सुरेश जैन गायत्री नगर, सुरेश बज, सुरेश जैन मालवीय नगर, सुरेश जैन चंद्रकला, राजेश जैन मुशरफ आदि वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की।

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा...

पैसा नमक की तरह है जो जरूरी तो है मगर जरूरत से ज्यादा हो तो जिंदगी का स्वाद बिगाड़ देता है

आचार्यश्री की 26 अक्टूबर से 40 दिन की उपवास के साथ मौन साधना प्रारंभ

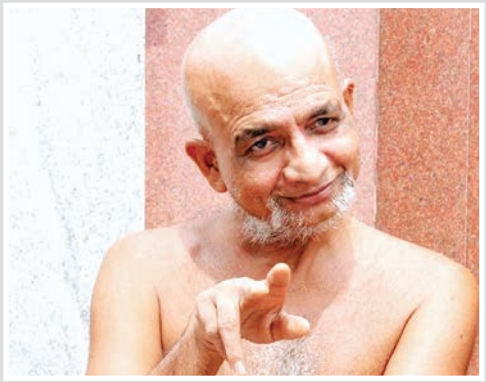

उदगाव (महाराष्ट्र). शाबाश इंडिया। इस सदी के सबसे कम उम्र के तपस्वी ,मौन साधक सम्मेद शिखर में पारसनाथ टोंक पर साधना करने वाले एवं परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त एवं इस सदी के महान संत संत शिरोमणि गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से सिंह निष्क्रिय व्रत 557 दिन की मोन साधक में 496 दिन उपवास ओर 61 दिन आहार कर व्रत धारण करने वाले परम पूज्य प्रातः स्मरणीय अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज का मंगल साधना स्वर्णभद्र टोंक पर निर्विघ्न साधना गत वर्ष हुई ।उसके बाद तीर्थराज से मंगल विहार करते हुवे इस सदी के तपस्वी समार्ट 108 सन्मति सागर जी महाराज के समाधि स्थल उदगाव महाराष्ट पहुँचे जहाँ चातुर्मास स्थापना किया। 26 अक्टूबर से 40 दिन की मौन उपवास के साथ साधना में 5 आहार का वसंत व्रत संकल्प लेकर अपनी तपस्या को ओर प्रगाढ़ बना रहे है ये उपवास 4 दिसम्बर तक चलेगा ओर 4 दिसंबर को महापारणा उदगाव में होगा।इस अवसर पर अन्तर्मना ने कहा कि पैसा बोलता है, अमूल्य सम्बन्धों की तुलना कभी पैसों से मत करो,क्योंकि पैसा दो दिन , काम आयेगा परन्तु रिश्ते जिन्दगी भर साथ निभायेंगे। सम्बन्धों की ये तीन चीज हत्यारी (बिगाड़ने) वाली है। **जर, जोरू और जमीन...** पैसा एक, नाम अनेक ,मंदिर में दिया जाए तो चढ़ावा , स्कूल में दिया जाए तो फीस, शादी में दो तो दहेज, तलाक देने पर गुजारा भत्ता , आप किसी को देते हो तो कर्ज, अदालत में दो तो जुर्माना, सरकार लेती है तो कर (टेक्स), सेवानिवृत्त होने पर पेंशन, अपहरण कताओं के लिए फिरौती, होटल में सेवा के लिए टिप, बैंक से उधार लो तो ऋण, मजदूरों को दो तो वेतन , अवैध रूप से प्राप्त सेवा रिश्वत और मुझे दोगे तो गिफ्ट, पैसा नमक की तरह है जो जरूरी तो है मगर जरूरत से ज्यादा हो तो जिंदगी का स्वाद बिगाड़ देता है। पैसा मरने के बाद आप अपने साथ नहीं ले जा सकते लेकिन जीते जी पैसा आपको बहुत ऊपर ले जा सकता है। सिकन्दर से भी ज्यादा पैसा जोड़ों लेकिन जब छोड़ने का वक्त आये तो ऐसा छोड़ो जैसे-भगवान महावीर की तरह, तन पर एक धागा भी ना रहे। धन को अग्नि में डालो तो वह राख हो जायेगा (संसार की वस्तुएं नष्ट हो जायेंगी) और यदि धन को धर्म, मानव सेवा, परोपकार में लगाओ तो वह अक्षय खजाना बन जायेगा।

संकलन : कोडरमा मीडिया राज कुमार अजमेरा।

आचार्य सौरभ सागर के दर्शन कर आर्यिका विशेष मति ने लिया आशीर्वाद

साध्वी द्वारा वन्दन व साधु द्वारा आशीर्वाद का अदभुत भक्ति दृश्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर के आदिनाथ चैत्यालय ज्योतिनगर से विहार कर रहे आचार्य सौरभ सागर मुनिराज के दर्शन हेतु जनकपुरी मुख्य मन्दिर में प्रवासरत आर्यिका विशेष मति माताजी ने समाज के साथ इमलीफाटक आकर आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा तीन परिक्रमा कर गुरु वंदन किया। जनकपुरी - ज्योतिनगर मन्दिर प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की इधर जन समुदाय ने दोनों सन्तों के इमली फाटक पर नमन / वंदन व आशीर्वाद के मिलन का यह विशेष दृश्य जयकारों के साथ देख अभिभूत रहा। आर्यिका श्री के साथ आयी जनकपुरी समाज की महिलाओं ने मंगल कलशों के साथ आचार्य श्री का स्वागत किया तथा समाज के उपस्थित सदस्यों द्वारा आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन कर आरती की गई। आचार्य श्री आगे जय जवान कॉलोनी के लिए तथा आर्यिका श्री ने वापस जनकपुरी के लिए विहार किया।

गुरूणी सिद्ध का किया गुणगान, सूरत पहुंच 80वें जन्मोत्सव कार्यक्रम में निभाई सहभागिता

भीलवाड़ा से यश सिद्ध स्वाध्याय भवन श्रीसंघ ने की सूरत-चलथान की गुरू दर्शन यात्रा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

आध्यात्म साधिका गुरूणी मैया श्री सिद्धकंवरजी म.सा. की 80वीं जन्म जयंति के उपलक्ष्य में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिभवन सूरत के तत्वावधान में चातुर्मासरत राजस्थान प्रवर्तनी सदुरूवर्या यशकंवरजी म.सा. एवं महासाध्वी सिद्धकंवरजी म.सा. की सुशिष्या पूज्य साध्वी मुक्तिप्रभाजी म.सा. एवं पूज्य सुप्रज्ञाजी म.सा. के सानिध्य में आयोजित गुरूणी सिद्ध जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ यश सिद्ध स्वाध्याय भवन भीलवाड़ा के तत्वावधान में गुरूभक्त 101 श्रावक- श्राविकाओं के संघ ने भी मौजूद रहकर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस आयोजन में महाराष्ट्र गौरव श्री गौतम मुनिजी म.सा. आदि ठाणा, खान्देश भूषण उप प्रवर्तिनी श्री दिव्य ज्योति जी म.सा. आदि ठाणा, मधुर व्याख्यानी सुकीर्तिजी म.सा. आदि ठाणा का पावन सानिध्य भी प्राप्त हुआ। जन्मोत्सव समारोह में पूज्य महासाध्वी मुक्तिप्रभाजी म.सा. ने गुरूणीमैया महासाध्वी सिद्धकंवरजी म.सा. के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायी बातों का स्मरण करते हुए कहा कि सेवा, करूणा व वात्सल्य की प्रतिमूर्ति ऐसी महासाध्वी के गुणों को चंद शब्दों में नहीं बताया जा सकता। समारोह में सिद्ध सेवा से जुड़े कार्यों के लिए सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा भी हुई। यश सिद्ध स्वाध्याय भवन संघ के मंत्री मुकेश डांगी ने इस सफल गरिमामय आयोजन के लिए सूरत निवासी श्री शांतिलालजी कोठारी, अजीतजी बाफना, शांतिलालजी नाहर, प्रकाशजी सिंघवी, प्रकाशजी चौधरी, मुकेशजी धाकड़, दीपकजी चौपड़ा, सरदारजी बाबेल, महावीरजी नानेचा सहित पूरे श्रीसंघ का आभार व्यक्त किया।

आचार्यश्री के दर्शन-वंदन का प्राप्त किया लाभ

गुरू दर्शन यात्रा संघ ने अवध संगरिला पहुंच वहां विराजित श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनिजी म.सा. के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं मांगलिक श्रवण किया। आचार्यश्री ने यश सिद्ध स्वाध्याय भवन श्रीसंघ के मानव सेवा, जीव दया व सधार्मिक सेवा के कार्यों की सराहना करते हुए मंगलभावनाएं व्यक्त की। वहां आचार्यश्री के सानिध्य में जिनशासन की सेवा में लगे पूज्य शिरीष मुनिजी म.सा., शुभम मुनिजी म.सा. ने श्रीसंघ की सेवाओं की सराहना करते हुए धर्म संदेश प्रदान किया। संघ की तरफ से लाड़जी मेहता एवं मुकेश डांगी ने भावनाएं व्यक्त करते हुए सभी की ओर से क्षमायाचना की एवं आचार्यश्री के सुखद स्वस्थ दीर्घायु संयम जीवन की कामना की।

आगरा में अशोक नगर पाठशाला को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

बच्चो ने अशोक नगर जैन समाज का गौरव बढ़ाया, हमारे गुरु भाई आगरा में करा रहे थे विशाल पाठशाला सम्मेलन : आचार्यश्री

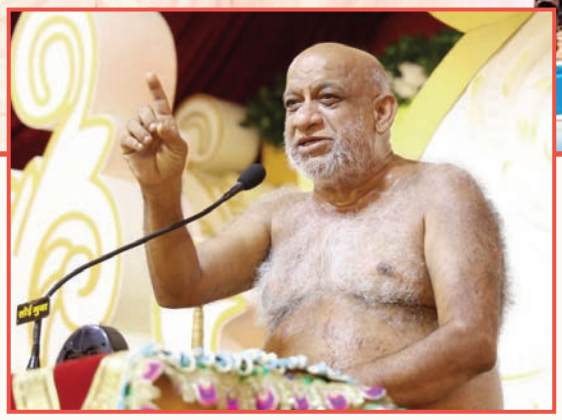

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला परिवार ने आगरा में मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय पाठशाला सम्मेलन में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसमें आगरा चातुर्मास कमेटी व मुख्य अतिथि अमेरिका निवासी आशा रानी पंड्या श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के अध्यक्ष सेवा निवृत्त डी जी पी एस के जैन कार्य अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया जयपुर प्रदीप पी एन सी महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार मोडया ने स्मृति चिन्ह ट्राफी तिलक श्री फल से पाठशाला परिवार को सम्मानित किया।

संस्कार को अगली पीढ़ी को सौंपने का काम आज देशभर की पाठशाला कर रही है : सुधासागर जी महाराज

इस अवसर पर विशाल पाठशाला सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि आज जो हमारी भारतीय संस्कृति है इसके हर पायेदान को ऊंचाईयां देने के लिए बहुत सारे लोगों का योगदान देखने में आता है जहां बच्चे के पैदा होने के बाद प्रथम पाठशाला का काम मां करती है वहीं थोड़ा बड़ा होने पर संस्कारो की श्रंखला में ये जो देशभर में पाठशालाये चलाई जा रही है इनका बहुत बड़ा योगदान है वर्षो पहले जब पाठशाला सम्मेलन प्रारंभ किया तो सबसे पहले दो सौ शिक्षिकाए आईं थीं और आज पांच हजार से अधिक शिक्षिकाए पाठशाला में बच्चो को संस्कार दे रही है ये सम्मेलन तो आज पाठशाला का मेला लग रहा है तीन दिवसीय इस अधिवेशन में आपको अपनी समस्याएं भी रखना है बच्चो को हम अच्छी से अच्छी शिक्षा देते हुए उन्हें संस्कार देना है जिससे घर परिवार और देश के प्रति हम अपने कर्तव्यों का अच्छी तरह से निर्वाहन कर सकेंगे। इन पाठशालाओं के पाठ्यक्रमों में हमने अच्छे नागरिक बनाने की कला को समाहित किया है बेटीया बच्चो को अपनी निःशुल्क सेवा ये दे रही हैं ये बहुत अच्छा कार्य है।

निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है पाठशाला की बेटीया : आचार्य श्री

इधर आज धर्म सभा को सुभाष गंज में सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि हमारे गुरु भाई आगरा में चातुर्मास कर रहे हैं बहुत बड़ा पाठशाला सम्मेलन वह था अशोक नगर की पाठशाला को सम्मेलन में पहला स्थान मिला है बहुत अच्छा है बहने यहां की पाठशाला के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है और ये सेवा और मेहनत का पुरस्कार है सभी को इनसे प्रेरणा लेना चाहिये। इस दौरान समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि पांच सौ इक्तालीस पाठशालाओ में पहला स्थान प्राप्त कर अशोक नगर जैन समाज का मान बढ़ाया है इससे पूरा समाज अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया अशोक नगर पाठशाला ने

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि निश्चित रूप से ये बहुत खुशी की बात है कि देशभर की पाठशाला में अशोक नगर को पहला धौलपुर राजस्थान को दूसरा अशोका गार्डन भोपाल को तृतीय स्थान मिला है। पिछले वर्ष भी अशोक नगर पाठशाला को प्रथम पुरस्कार मिला था। हमारे नगर की पाठशाला में बच्चो की भरपूर संख्या है नगर की पाठशाला में सात सौ से अधिक बच्चे संस्कार ग्रहण कर रहे हैं इस अवसर पर मै यही कहना चाहूंगा कि हम सब पाठशालाओं को इसी तरह प्रोत्साहन देते रहे जिससे हमारी श्रेष्ठता आगे भी बनी रहें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com